संविधान निर्माता बाबा अंबेडकर को राष्ट्र ने किया याद

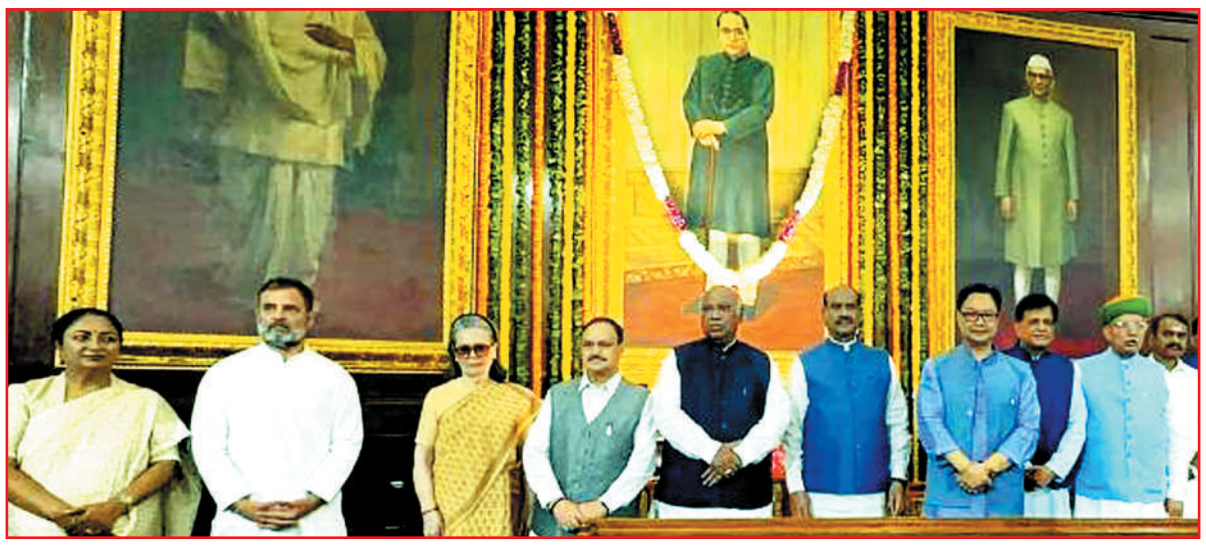

नयी दिल्ली 14 अप्रैल (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य गणमान्य हस्तियों ने सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की.केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, पीयूष गोयल, सांसद एवं विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य नेताओं ने भी डॉ अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की.

चौदह अप्रैल को अंबेडकर जयंती भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक बी.आर. अंबेडकर की स्मृति में मनायी जाती है.

बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर ने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के खिलाफ सामाजिक और जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए जीवन भर दृढ़ता से काम किया. एक साधारण शुरुआत से वह स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री बने. उन्हें 1990 में मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किया गया.

खरगे-सोनिया-राहुल ने संसद भवन में दी अम्बेडकर को श्रद्धांजलि

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की.संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में बाबा साहेब की जयंती पर उनको नमन करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में खरगे, गांधी तथा गांधी के साथ ही कई अन्य प्रमुख नेताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. कांग्रेस नेताओं ने संविधान की शक्ति देकर करोड़ों भारतीयों को सम्मान और स्वाभिमान से जीने का अधिकार देने वाले बाबा साहेब को संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल पर उनकी मूर्ति पर भी पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. उन्होंने इस दौरान वहां आयोजित विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया.गांधी ने बाबा साहेब को नमन करते हुए कहा भारतीय संविधान के निर्माता बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी को उनकी जयंती पर सादर नमन. देश के लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए, हर भारतीय के समान अधिकारों के लिए, हर वर्ग की हिस्सेदारी के लिए उनका संघर्ष और योगदान, संविधान की रक्षा की लड़ाई में हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा.

केजरीवाल ने अम्बेडकर को दी श्रद्धांजलि

आम आदमी पार्टी(आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर को उनके जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की.केजरीवाल ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा भारतरत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. हम बाबा साहेब को अपना आदर्श मानते हैं. उनके दिखाये रास्ते पर चलकर हम हर व्यक्ति तक शिक्षा, सम्मान और सुविधाएं पहुंचाने का काम कर रहे हैं.नेता विपक्ष आतिशी ने कहा कि गोविंदपुरी में आयोजित अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित की. बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से देश हर वर्ग को सम्मान और अधिकार दिलाए, जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है.उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का सपना था कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले और आगे बढने का बराबरी का अवसर मिले, उनके इसी सपने को साकार करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

समाज के लिए काम करता है संघ : भागवत

आरएसएस प्रमुख ने नए भवन का किया उद्घाटन, एकता का दिया संदेश

आक्रांताओं ने हमारे आपसी मतभेदों का फायदा उठाया मोहन भागवत

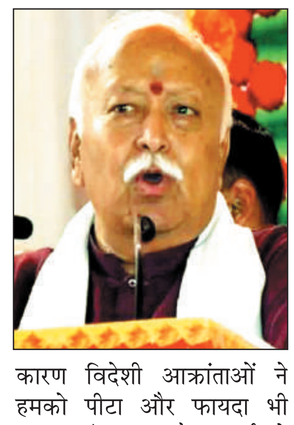

कानपुर, 14 अप्रैल.राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने सोमवार को नवनिर्मित संघ भवन और भीमराव अंबेडकर सभागार का उद्घाटन किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि हम आपसी मतभेदों में उलझ गए और इसका विदेशी आक्रांताओं ने फायदा उठाया.मोहन भागवत ने कहा, संघ केवल अपने लिए नहीं बल्कि समाज के लिए काम करता है, देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए काम करता है. भागवत ने विशाल जनसमूह की ओर देखते हुए कहा, यहां उत्सव का वातावरण कई बार आया, लेकिन इतनी भीड़ कभी नहीं देखी.

उन्होंने आगे कहा कि अपने समाज में लोग पिछले दो हजार वर्षों से आपसी स्वार्थों में लगे रहे, आपसी मतभेद भी रहे. इसके कारण विदेशी आक्रांताओं ने हमको पीटा और फायदा भी उठाया. संघ समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलता है और यह कार्यालय समाज में चल रहे अच्छे कार्यों को जोड़ने का केंद्र बनेगा.मोहन भागवत ने कहा कि बाबा साहेब को जीवन में बड़ी विषमताओं का सामना करना पड़ा. उन्होंने बचपन से ही विषमता का सामना किया. उन्होंने जीवन भर समाज को एकजुट करने के लिए प्रयास किए. संघ प्रमुख की 15 तथा 16 अप्रैल को संघ के छह आयाम में से एक सेवा विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक होगी. इसमें पर्यावरण, सामाजिक समरसता के प्रांत स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग समय पर बैठक होगी.

> वह 15 अप्रैल को कानपुर के पूर्व भाग कोयला नगर और 16 अप्रैल को निराला नगर की शाखा में रहेंगे. इसके बाद 17 अप्रैल को संघ की प्रांत कार्यकारिणी के साथ, संघ शताब्दी वर्ष में संघ के पंच परिवर्तन, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली, सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य, स्वबोध जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे और प्रांत में उस दिशा में बढ़ रहे कार्यों की समीक्षा करेंगे.

हेमंत सोरेन बोले- अनगिनत शहादतों से मिला झारखंड

झामुमो का 13वां अधिवेशन शुरू : 8 राज्यों से पहुंचे 3500 से अधिक प्रतिनिधि

रांची. झारखंड मुक्ति मोर्चा का 13वां महाधिवेशन सोमवार यानी 14 अप्रैल को शुरू हो गया. इस महाधिवेशन में 8 से अधिक राज्यों से पार्टी के 3500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं. महाधिवेशन का आयोजन 14 और 15 अप्रैल 2025 को खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में किया गया है.

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन, उपाध्यक्ष और मुख्यमंत्री की मां रूपी सोरेन खराब स्वास्थ्य के बावजूद इस कार्यक्रम में पहुंचे. मुख्यमंत्री खुद अपने माता-पिता को मोरहाबादी स्थित उनके आवास से साथ लेकर महाधिवेशन स्थल पर पहुंचे. महाधिवेशन में गांडेय विधायक और सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, बंसत सोरेन, मंत्री हफीजुल हसन समेत पार्टी के कई पदाधिकारी भाग ले रहे हैं.

झामुमो के 13वें केंद्रीय महाधिवेशन के दौरान अपने स्वागत भाषण में कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड के लिए अनगिनत लोग शहीद हुए हैं. आज हम उन सभी को नमन करते हैं. सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झामुमो किसानों, दलितों, पिछड़ों का प्रतिनिधित्व करता रहा है. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन की कुछ बातें मुझे आज भी याद हैं.मुख्यमंत्री ने कहा कि जब गुरुजी (शिबू सोरेन) का आंदोलन चल रहा था, उस समय लोग जुटते थे और गुरुजी के साथ चलते थे. अलग राज्य के लिए आंदोलन लंबा चला और अनगिनत शहादत के बाद हमें अलग राज्य मिला है.

> **स्टीफन मरांडी ने पढ़ा पार्टी का राजनीतिक प्रस्ताव**
>
> अधिवेशन के दौरान पार्टी के वरिष्ठ विधायक और पूर्व उपमुख्यमंत्री स्टीफन मरांडी ने पार्टी का राजनीतिक प्रस्ताव पढ़ा. उन्होंने राजनीतिक प्रस्ताव में जातिगत जनगणना का भी जिक्र किया. राजनीतिक प्रस्ताव में स्टीफन मरांडी ने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण, 1932 आधारित स्थानीय नीति और परिसीमन के विरोध का जिक्र किया.

आज का इतिहास

1469	सिख धर्म के संस्थापक गुरू नानक का जन्म.
1563	सिखों के पांचवें गुरु गुरु अर्जन देव का जन्म.
1689	फ्रांस ने स्पेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की.
1923	डाइबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए इन्सुलिन बाजार में उपलब्ध हुआ.
1940	भारत के प्रसिद्ध सारंगी वादक और शास्त्रीय गायक सुल्तान खान का जन्म.
1948	हिमाचल प्रदेश का गठन.
1976	भारत ने 15 साल में पहली बार बीजिंग में अपना दूत भेजने की घोषणा की.
1980	छह गैर-सरकारी बैंक राष्ट्रीयकृत किए गए. इससे पहले भी कुछ बैंक इसी तरह राष्ट्रीयकृत किए गए थे.

हल्द्वानी में अवैध मदरसे सील

धामी सरकार के निर्देश पर प्रशासन का बड़ा एक्शन

बनभूलपुरा इलाके में छापेमारी कार्रवाई

बिना मान्यता वाले मदरसे किए गए सील

हल्द्वानी, 14 अप्रैल.उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सख्त निर्देशों का पालन करते हुए राज्य के हल्द्वानी में स्थानीय प्रशासन एक्शन मोड में आया हुआ है. हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में प्रशासन ने अवैध तौर पर संचालित मदरसों के खिलाफ छापेमारी की है.

इस दौरान कई मदरसों को सील किया गया है. कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए है. ये इंतजाम इसलिए किए गए हैं क्योंकि इलाके में किसी तरह की अशांति ना फैले और कानून व्यवस्था भी बनी रहे.

बता दें कि अपर जिला अधिकारी विवेक राय ने बताया है कि ये कार्रवाई उन मदरसों पर की गई है, जिनके पास मान्यता नहीं है. जिन मदरसों में शिक्षा विभाग व सरकार के नियमों का पालन नहीं हो रहा था उन्हें सील किया गया है. इन मदरसों ने बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता संबंधित मानकों का पालन किया है.प्रशासन को पहले कुछ मदरसों के खिलाफ गंभीर शिकायतें मिली है. इनमें बच्चों के बैठने की व्यवस्था ना होना, साफ सफाई की कमी, शौचालय ना होना, सीसीटीवी सुरक्षा व्यवस्था ना होगा. कई मदरसों में मस्जिदों में संचालित हो रहे थे. ये सरकारी नियमों के विरुद्ध है.इस कार्रवाई के दौरान इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हुआ है. स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि किसी तरह की अफवाह से बचने व शांति बनाए रखें. प्रशासन का कहना है कि ये कार्रवाई अवैध तौर से संचालित हो रहे शिक्षण संस्थानों के खिलाफ है.

एक नजर में

आरएसएफ के हमले में 56 लोगों की मौत

खार्तूम. पश्चिमी सूडान के उत्तरी प्रांत दारफुर के उम्म कडाडा में रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में 56 लोग मारे गए हैं.स्वयंसेवी समूहों ने सोमवार को यह जानकारी दी.उन्होंने बताया कि आरएसएफ ने गुरुवार को शहर पर नियंत्रण करने के बाद हमला किया. सभी मृतक स्थानीय नागरिक हैं. एक स्थानीय स्वयंसेवी समूह ने मिलिशिया पर व्यापक उल्लंघन करने, निवासियों को जबरन विस्थापित करने और सभी संचार नेटवर्क बंद करने का आरोप लगाया.आरएसएफ ने आवासीय घरों को जला दिया और संपत्तियों को लूट लिया. इसके अलावा स्थानीय अस्पताल पर भी हमला किया और अस्पताल के निदेशक सहित चार चिकित्सा कर्मचारियों की हत्या कर दी.

दिल्ली में पकड़े गए 15 विदेशी

नयी दिल्ली. दिल्ली पुलिस ने बिना वैध वीजा के भारत में रहने वाले दो बांग्लादेशी सहित 15 विदेशी नागरिकों को पकड़ा है, जिन्हें वापस उनके देश भेजा जाएगा. एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. मोहन गार्डन और उत्तम नगर इलाकों में एक अभियान के दौरान बांग्लादेशियों के अलावा 12 नाइजीरियाई और आइवरी कोस्ट के एक नागरिक को पकड़ा गया.पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान पाया गया कि वे लोग बिना वैध वीजा के भारत में तय अवधि से अधिक समय से रह रहे थे. पुलिस ने बताया कि उन्हें निरुद्ध केंद्र भेज दिया गया और सत्यापन के बाद, विदेशी नागरिक क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने उन लोगों को उनके देश भेजने का आदेश दिया है.

मोसाद ने संघर्ष समाप्त करने का किया आग्रह

यरूशलम. इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के 250 से अधिक पूर्व अधिकारियों ने ग़ाज़ा में जारी संघर्ष की समाप्ति और इजरायली नागरिकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार को संयुक्त पत्र जारी किया है.पत्र पर तीन पूर्व मोसाद प्रमुख डैनी याटोम, एफ्राइम हलेवी और तामीर पार्डो, सहित खुफिया सेवा (मोसाद) के 12 से अधिक अनुभवी अधिकारियों ने भी हस्ताक्षर किए हैं. इन पूर्व मोसाद अधिकारियों ने अपने बयान में कहा, जारी लड़ाई बंधकों और हमारे सैनिकों की जान को खतरे में डाल रही है. पीड़ा समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए.

50,000 करोड़ की निवेश योजना पर हुई चर्चा

असम के मुख्यमंत्री जीत अदाणी से मिले

एयरो-सिटी, होटल, सीमेंट प्लांट पर फोकस

गुवाहाटी, 14 अप्रैल.असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने फरवरी में गुवाहाटी में आयोजित व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान राज्य के लिए प्रस्तावित 50,000 करोड़ रुपये की निवेश योजना को आगे बढ़ाने के लिए अदाणी समूह के निदेशक जीत अदाणी के साथ बैठक की.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को उम्मीद है कि अदाणी समूह द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए दिए गए प्रस्ताव शीघ्र ही वास्तविकता बन जाएंगे.

सरमा ने एक्स पर कहा, एडवांटेज असम 2 के दौरान अदाणी ग्रुप ने राज्य में 50,000 करोड़ रुपये निवेश करने का प्रस्ताव दिया था. आज हमारे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हमने इस प्रस्ताव को कार्यान्वित करने के लिए अदाणी समूह के निदेशक जीत अदाणी और उनकी टीम के साथ बैठक की.उन्होंने आगे कहा, हम उम्मीद करते हैं कि हमने एयरो-सिटी, होटल, सीमेंट प्लांट और प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के विकास में निवेश से संबंधित जिन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, वे जल्द ही शुरू हो जाएंगे.

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने फरवरी में एडवांटेज असम 2.0 बिजनेस समिट के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान घोषणा की थी कि समूह राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा. चेयरमैन ने भारत भर में निवेश आधारित विकास को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी बताया. वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के माध्यम से गुजरात की आर्थिक परिवर्तन की तुलना करते हुए, उन्होंने कहा कि असम जैसे राज्यों को विकास के पथ पर आगे बढ़ने के लिए ऐसी पहलों की आवश्यकता है.उन्होंने आगे कहा, हम प्रगति के इसी विजन का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं.

गोद लिए गांवों में परियोजनाओं की प्रगति से खुश हूं : जयशंकर

राजपीपला (गुजरात), 14 अप्रैल.विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को गुजरात के आदिवासी बहुल नर्मदा जिले में गोद लिए गए गांवों में शुरू की गईं विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की.जयशंकर का सोमवार से गुजरात का तीन दिवसीय दौरा शुरू हुआ.

इस दौरान उन्होंने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) के तहत नर्मदा जिले के विभिन्न तालुकों में अपने द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गांवों का दौरा किया.वह गांवों का निरीक्षण करने और विकास परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए नर्मदा में दो दिन बिताएंगे.सोमवार को उन्होंने जेतपुर में महिलाओं के लिए प्रसव एवं प्रसूति पुनर्वास परिसर का भूमिपूजन किया, कोलवन और सागई में इसी प्रकार के केंद्रों की आधारशिला रखी तथा गरुड़ेश्वर के लिए एमपीएलएडी योजना के तहत एक नयी एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई.

दावा | अब यूपी देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट : सीएम योगी

लखनऊ, 14 अप्रैल (वार्ता) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि 2017 से पहले जो उत्तर प्रदेश कभी अपने कर्मचारियों को वेतन देने की भी स्थिति में नहीं था, आज वह रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है.

फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य और उपभोक्ता व श्रम बाजार है. फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और ईकोसिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया है. विशेष रूप से, इन्वेस्टर समिट 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है.

> मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं, बल्कि देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है. यह भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है और देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है. राज्य ने अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की है. उन्होंने वित्तीय चुनौतियों का जिक्र करते हुए बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद किसानों की कर्ज माफी जैसे प्रस्तावों के लिए धन की कमी थी. उस समय बैंकों का सहयोग नहीं मिलता था और कर्मचारियों के वेतन के लिए भी संसाधन नहीं थे.

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत की जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य है, फिर भी यह लंबे समय तक बीमारू राज्य के रूप में जाना जाता था. उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के समय उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी, लेकिन धीरे-धीरे यह घटकर एक तिहाई रह गई. हालांकि, पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे देश और दुनिया ने देखा है. नीति निर्माण में फिक्की जैसे संगठनों का सहयोग इस बदलाव का एक प्रमुख कारण रहा है. उन्होने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के कारण लोग अपनी पहचान छिपाने को मजबूर थे. उन्होंने महाकुंभ के उदाहरण से समझाया कि 2017 से पहले कुंभ में गंदगी और अव्यवस्था थी, लेकिन इस बार स्वच्छता और सुव्यवस्था ने सबका ध्यान खींचा. आज पूरे राज्य में कानून का शासन (रूल ऑफ लॉ) स्थापित है.

एम्स ऋषिकेश का दीक्षांत समारोह कल

नयी दिल्ली 14 अप्रैल (वार्ता) केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा मंगलवार को उत्तराखंड में ऋषिकेश के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहेंगे.नड्डा समारोह के बाद एयरोमेडिकल से केंद्र का दौरा करेंगे और ट्रॉमा सेंटर में 'पिक्चर आर्काइविंग एंड कम्युनिकेशन सिस्टम' का उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही एम्स ऋषिकेश में 'पीईटी-सीटी सुविधा और उन्नत बाल चिकित्सा के लिए नवनिर्मित 'सेंटर फॉर एडवांस्ड पीडियाट्रिक्स' का भी लोकार्पण किया जाएगा.